.. shrI yAdagiri laxmInRisi.nha prapattiH ..

॥ श्रीयादगिरि लक्ष्मीनृसिंह प्रपत्तिः ॥

Document Information

Text title : yAdagirI lakShmI narasi.nha prapattiH
File name : yAdagirilaxmiprapatti.itx
Location : doc_vishhnu
Author : va.ngIpuram narasi.nhAchArya
Language : Sanskrit
Subject : philosophy/hinduism/religion
Transliterated by : http://www.mypurohith.com
Proofread by : Venkata N Vangeepuram vangeepuram at rediffmail.com
Grandson of the composer
Latest update : December 15, 2004
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
Site access : http://sanskritdocuments.org

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

August 3, 2016

sanskritdocuments.org

॥ श्रीयादगिरि लक्ष्मीनृसिंह प्रपत्तिः ॥

लक्ष्मीनृसिंह ललनाम् जगतोस्यनेत्रीम्
मातृस्वभाव महिताम् हरितुल्य शीलाम्
लोकस्य मङ्गळकरीम् रमणीय रूपाम्
पद्मालयाम् भगवतीम् शरणम् प्रपद्ये ॥ १॥

श्रीयादनामकमुनींद्रतपोविशेषात्
श्रीयादशैलशिखरे सतत प्रकाशौ
भक्तानुरागभरितौ भवरोग वैद्यौ
लक्ष्मीनृसिंह चरणौ शरणम् प्रपद्ये ॥ २॥

देवस्वरूप विकृतावपिनैजरुपौ
सर्वोत्तरौ सुजन सरु निशेव्यमानौ
सर्वस्य जीवनकरौ सदृशस्वरूपौ
लक्ष्मीनृसिंह चरणौ शरणम् प्रपद्ये ॥ ३॥

लक्ष्मीशते प्रपदने सहकारभूतौ
त्वत्तोप्यति प्रियतमौ शरणागतानाम्
रक्षाविचक्षण पटू करुणालयौ श्री
लक्ष्मीनृसिंह चरणौ शरणम् प्रपद्ये ॥ ४॥

प्रह्लाद पौत्र बलिदानव भूमिदान
कालप्रकाशित निजान्य जघन्य भावौ
लोकप्रमाण करणौ शुभदौ सुरानाम्
लक्ष्मीनृसिंह चरणौ शरणम् प्रपद्ये ॥ ५॥

कायादवीय शुभमानस राजहंसौ
वेदान्त कल्पतरु पल्लव टल्लि जौतौ
सद्भक्त मूलधनमित्युदित प्रभावौ
लक्ष्मीनृसिंह चरणौ शरणम् प्रपद्ये ॥ ६॥

॥ इति श्री वंगीपुरम् नरसिंहाचार्य विरचितं
श्री यादगिरि लक्ष्मीनृसिंह प्रपत्तिः समाप्तं ॥

Encoded and proofread by Venkata N Vangeepuram
vangeepuram@rediffmail.com

.. shrI yAdagiri laxmInRisi.nha prapattiH ..
was typeset on August 3, 2016

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*